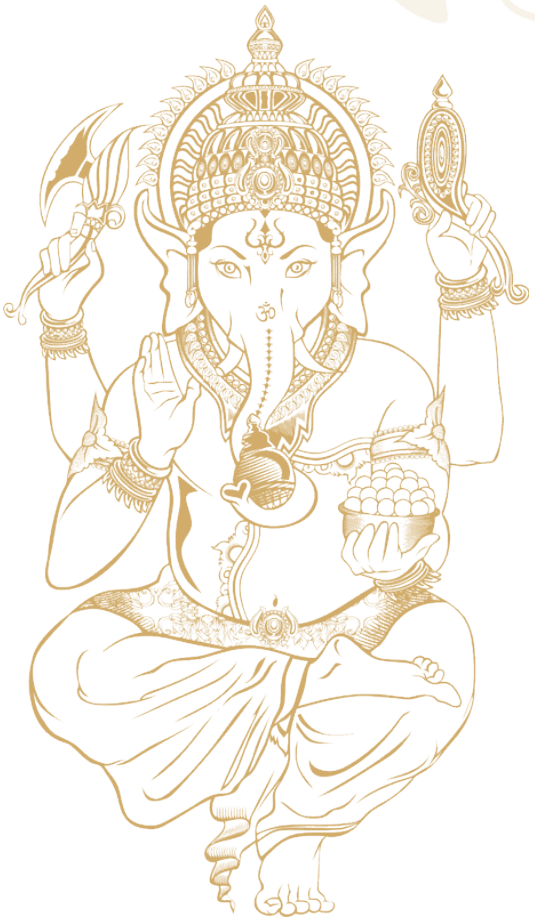

Rajiv Samriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120678002

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22/11/1976 :	जन्म तिथि	: 25/06/1980
सोमवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 08:15:00 :	जन्म समय	: 06:28:00 घंटे
घटी 04:51:08 :	जन्म समय(घटी)	: 02:41:55 घटी
India :	देश	: India
Raipur :	स्थान	: Patiala
21:16:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:19:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:18:32 :	सूर्योदय	: 05:24:10
17:20:11 :	सूर्यास्त	: 19:29:48
23:32:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:34:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 4वर्ष 10मा 29दि	01:24:51	धनु	लग्न	मिथु	23:10:15	गुरु 3वर्ष 10मा 5दि
सूर्य	06:23:45	वृश्चि	सूर्य	मिथु	10:02:31	केतु
21/10/2025	13:13:07	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	00:07:32	01/05/2020
22/10/2031	07:15:48	वृश्चि	मंगल	सिंह	27:58:41	01/05/2027
सूर्य 08/02/2026	14:43:56	वृश्चि	बुध	कर्क	01:05:10	केतु 27/09/2020
चन्द्र 10/08/2026	02:04:26	वृष व	गुरु	सिंह	11:32:28	शुक्र 27/11/2021
मंगल 16/12/2026	15:41:52	धनु	शुक्र व	वृष	25:14:17	सूर्य 04/04/2022
राहु 09/11/2027	23:18:41	कर्क	शनि	सिंह	27:33:19	चन्द्र 03/11/2022
गुरु 27/08/2028	09:52:26	तुला व	राहु व	कर्क	27:44:02	मंगल 01/04/2023
शनि 09/08/2029	09:52:26	मेष व	केतु व	मक	27:44:02	राहु 19/04/2024
बुध 16/06/2030	15:19:17	तुला	हर्ष व	तुला	28:25:47	गुरु 25/03/2025
केतु 22/10/2030	19:38:27	वृश्चि	नेप व	वृश्चि	27:22:28	शनि 04/05/2026
शुक्र 22/10/2031	19:47:37	कन्या	प्लूटो व	कन्या	25:23:27	बुध 01/05/2027

लग्न-चलित

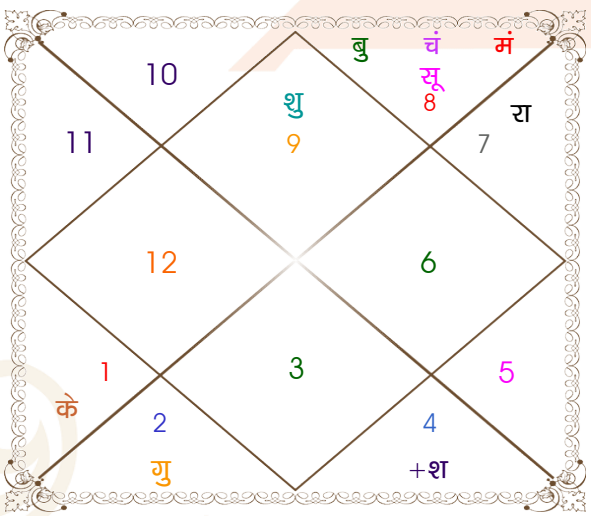

लग्न-चलित

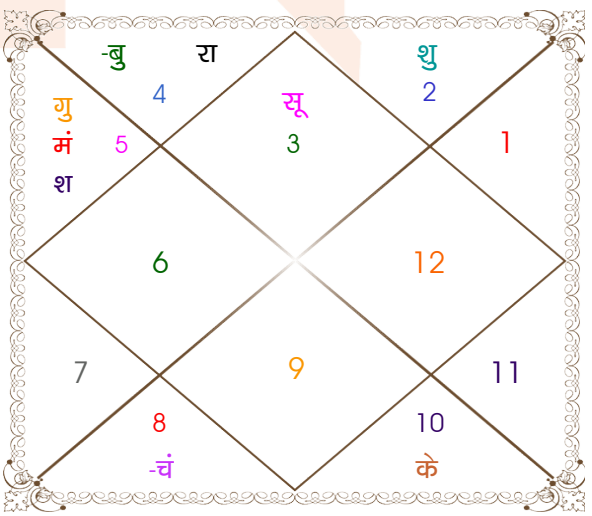

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Rajiv का वर्ग सर्प है तथा Samriti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajiv और Samriti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rajiv कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rajiv कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Rajiv कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Samriti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Samriti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajiv तथा Samriti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।